



[illegible]

लिगाश्चिवकसूयन् सुश्वरा वल्लमकुटजियं॥ कुलुनस
नसि विवला॥ सत्यपथे कृत्तिता॥ ५॥ चनेलधिपदि न जनन्या
डि॥ वल्लमनुलसपू॥ रुदिपमादिगः मययि विलासवज्जश
गुननिवञ्जनमित्तं॥ ६॥ विद्धिसितिनवप्रदागाः सवदिनरु
नरामप्रदागा॥ ७॥ ॥ शुभा॥

वदन्त्यपि

उ नमावर्ज्य हावद कू यविधान नकसः गत्रसः कत्रसः यिनायः गारु क
न ग्वगत्रासः स ग्वनः श्रुलपा धात्र ह धुगि थापनायाय गुत्रम धुलः दमु
त्रीः कत्रस पूजा धूमडा नः दूध धर्मसं यपू जा धूमडा नः वदकू यग छापि
निः थका निनन सा र्थरुया मः स्थलि कस स्वर्नः गुत्रम धुल धर्म दनकः वि
सडा नः नीत्रा ऊनः मग रु गात्रवान लयः स ग्वनन लयः अनिक वियः त्रुर्गु
त्री घायः वसपीत्र मः धुगि धून डा नः कगयडा नः मास वत्रकः पाथनिनी

न गमय कः व्यरुमात्र पनः कउनव्यकः माउल्लयकः प्रमिथनकः सषायः धू
नडा नः नास्मत्र धनयनः मिसत्रनया वकः थायसमानः आचार्यस्य कनः ॥ रा
कूनपूग मिसत्यत्राः कूनपुव चालिर्ग धम्मवनत्रपं ॥ अयिसः मिसन्यच मआ
चा ड ॥ उपा धमया ॥ वूध धम्म संद्यस कत्रसकः सत्रननन्यः नुक विगया रुन ॥ कूस
कत्रस्य ॥ सिद्ध सनन गत्री मत्वा ॥ गमथा ॥ अरु मिथं नामा ज्ञान जिनः वूध र गवर्न म
त्र ली गच्छामि ॥ धिप दाना र्ग ॥ धर्म मलनं गच्छामि विना गमनाम गा ॥ संद्यसत्र म

गङ्गामि॥ गनानाम॥ ३ ॥ धर्मि सिद्धिं स्याय कं धूनडावः पुनरुनः एवमि
खाविय॥ लो कूल पुन धनमाननी॥ पानि शक जिवर्त धमनं न॥ १ ॥ मिमयि रुमन
न कं कायमनव॥ २ ॥ मिमयि या कं रुति गमनमनं न॥ ३ ॥ रुमस्य स्वकं
यमः स्यात् ॥ ४ ॥ धृष्टादिनं कायमनं न॥ ५ ॥ शिष्यस्य गमायावकं ॥ ६ ॥
मिथनामा जावतिर्म पानागि पाग॥ ७ ॥ दन्ता दाना॥ काम मिथ्यावातः मखावातः
द्वपान पुमिवि नमामि॥ ८ ॥ धूमि उपागक च या धाय॥ धनलिवा मिथ पुनस्य

आवाय मायि नापटाव॥ धूमि नमगानी॥ अनपवडाया अन भखावकं अपमन
सर्न॥ गमा॥ समनारुनं रुमिथनामा याव॥ आवाय सार्द पुवडा यिष्यागधि
गत्व॥ वलापवर्तः नाग धावमा रुः मायाः दसः रु पूः कामः कोधः धूमि नावस
कादलपानः विद्या कलः धर्मि मयकः किसल सवयो॥ सद्यसत्र सगङ्गामि गना
नागुमा॥ १ ॥ लोवजावायः धमकं रुमकं न॥ सत्रनयाः सद्यसत्रनयाय
संयुक्तः गाधि गत्वः गनयाः पुष्टः गनयावः अमृनिः मोक्षमा ग्नेयी स्यविद्याक

सर्विष्यसंयुदमगालोक्तप्रसक्तः सत्रलयाया ॥ गुत्रवावसाधकात्रद
यि ॥ रुक्मपूयधन्यश्रुतावेन ॥ रुनाश्रुतावेन ॥ उश्रुतापिगुरुलिगस
पुन ॥ शोकूलपूय ॥ श्रावत्वत्रयाः गुरुत्रिगसमानगुमिः गत्यसमथशवना
धर्कव्यादगः सिधवावः तिसमकृपाकनासि ॥ सिद्धनधन ॥ वृद्धसत्य ॥ स
यसत्य ॥ श्रुनस्यसमथशयामः कृत्रपात्रस्यनकृपायाईः पुननश्रुयमात्रः सिधन
धन ॥ ॥ गुत्रवाव ॥ श्रुधनार्हपवयामिः सिद्धवसमकावक ॥ वगाचात्रक

धानिर्गपंचभिन्नाविधियय ॥ ॥ शक्तिभिन्नाश्रमजिनकन्यः कृनद्यडाः
पवद्यावर्क्याः पुरुत्रः रुसिद्धवनयाईईडाः रुगादसनाकन्यः कृनहिनकद्य
डाः विधानकन ॥ पाननरुन्याल्लपियवमद्यः मुक्तानरावन्नल्लयवस्यपत्रस्य
राव्यामत्रमापिनक्तः स्वर्गवगक्तगुरुयत्नाना ॥ ॥ शानिधशिक्षुश्रुत्रडा
वः थडाकोमधनपमगाक ॥ पानिवधममगंनः मद्यपीनसिन्नत्रपमयवः रुसं
वज्ञायमरुंनः मययाधनसलीरावायमयमः मययानित्रीसगारवायमयव

पंकसिंघाधायधुतागा ॥ ॥ सिद्धवाचः सिंघानधायचक्रपात्रसनशास्त्रप
सनशयाः पानीयन्धनमयायः रुसपमवयादयाम् गृहमला ग्यः वृत्तिजिन
मयायमखाधकधायः सिद्धना ॥ श्रीरुमिथनामाज्ञावजिर्नः शास्त्रायिसः श्राधन
मीसिद्धनामपयायः धयात्रिममूपाहोगपूजायायः निरिष्ठावद्वायः चूडा
कुन्दनयायः ॥ सर्वज्ञानवात्रासकुर्यरुंरुग ॥ धनपिमसमृद्धनय्या ॥ मंग
मभनः धनलित्यकपूयादयनः धायसखन्यः श्रीरुमथनामाज्ञावजिर्नः ग

हिलिर्गपमिन्वाजयायिः सिद्धपननात्मर्त्यंदहिजावजिर्वसिद्धचर्युर्गुरुं धा
नयामि ॥ ॥ लासिघाश्रायिसः जिज्ञातयानामगात्रयः सिद्धपदनामः धनलपऊ
नः धननामकुर्यः श्रावाजयवनः दससिखावदामिः गुत्रनेश्राज्ञादगः ॥ शक्ति
सिद्धकनकावः जिगाधलनर्पमात्र ॥ शुभमूर्तमृदगमिमिः नृटगार्गः न
कस्यराः पूर्षपालः वृत्तमामिः श्रीकात्रलोक्तनयदपि ॥ सर्ववभर्था मलास
द्याः दससिकाविधीयन ॥ लासिद्धसिद्ध ॥ दशसिकाधूमिः पागमआदिर्नपू

यमद अत्रज्ञाः वि आदिन था यमदः प्या घन रु यमदः म
न रु यमदः अर्थे त्रस्यारु त्रप्यमदः ला त्य जा न आ स न स या म द आ न नि द
न्यमदः ॥ धु कि गा द स हि र वा धा यः धु गि ल्य भोग मा न ॥ **उँ** अ रु मि ध ना ला जा न
कि र्क ड ल्य द सि गा वि द स हि र वा मि अ रु ग रु द या मि ॥ ला आ वा यो ॥ रु न पा न
स न द स वि या शु नीः कि गाः कि नः भोग य अ न स रु न भि ष्य न धा न ॥ ला आ यो
स ॥ धु गि स म ग नीः वि र्म य न हि र वा पा थ गः ख उ वि नि र्क ड धु गि पु स न

य मा ना हि ष्य न धा न ॥ धु पा नी वि र्म य स ध या यः थ वी त पा न की न र्क ग या य ॥ म धा ॥
उँ द वि र्म य स ध वि र्म या सा य स ध पु ला ग य न क रु ग ना य न ग न ग मा नि ग
म ना यः नि ग म य वि र्म न ग म ना य अ धि वि र्म **नँ** द रि क ना म न **नँ** वि र्म य स ध
स्य वि र्म या सा य ना क रु न ग म ना य प ल पु न स ग म ना य **नँ** द पा गु वि र्म का ला न
न प नी ला यी कः **नँ** मा सि क्का ला नः क रु ती का न ध म वि र्म वि र्म का रु धा वि र्म गे यु ॥
ध न वि र्म य ला यः स ग न वि य का न ला यः **उँ** रु सा **उँ** स मे स न धा य
म अ धि स्य म वि र्म य ला ॥ ॥ ध न नि ॥ गि य क रु



मया देवनागरी लिखितं

रसनामक वनया विधि ॥ दधवनि दधवनि चिनाय मासाकात्र सग्वन धनि थायना
धनकात्र सूर्याय पूजा विधि ॥ गुनमकुल वंखवलि विसजन कमायन धनयस
स्य दधुनी गिसमाधि जाय धूय निवाजन कनसन्यास कूरन्यास धनिव भावा
नसाय स्वस्तिकसग गुनमकुल वनके विभजनयावके धननिवाजन सगरु ना
नचा ग्वन धनय वसूयक कनककाय धनकनगगमानाधियावतय नामकुर
स १ ॥ अमकनाम होत स्वरा ॥ धनीव नगनकाय दधवनिविय मूनव

रजन काया विधि

लिविय वाकपूजा स्वातगन गुनपूजा दक्षिण कमायन ॥ जनकायदि
धा कनस सग्वन यग कूसानी रजा धनि थायना धनकात्र सूर्याय पूजा विधि ॥
गुनमकुल वंखवलि विभजन सिधनपूजा ॥ नरस्य दधुनी गिसमा धी जाय धूय
कनसन्यास कूरन्यास कूसानी पूजा ॥ धनभावा नसाय स्वस्तिकसग गुनमकुल वद
न विसजन निवाजन सगरु ना नचा सग्वन वसूतयावगाय वसूतनगायक
जनकाय जानना रजा रोग ॥ कनककाय दधवनी विय दधुवलि विय वाकपूजा

२ यो न य विधि १

स्वामनन गुत्रयुजा दक्षिण कसावन न्यासि वाद कनसासि कक मग्ननन कुमा
रजाकाय ॥ दशजागा धनजाय राजन ॥ **॥ स्याचकयाविधि ॥** कनस
सग्नन कुझन रजा कुर कुझन का सिधन स्याजावन धुतिथपना धूनकाव
सूर्योय युजारुति जाय धनक्रियाइय ॥ गुत्रमकुल नैखव विरुमापन चिस
न धिधवयुजा वरुस्य ॥ दगुनी गिसमा धि जाय धूय निनाऊन कनसन्यासक
रन्यास धविद कुमानीयुजा धनथका विनक निन यिविवासास्यरुय स्थितिकम
न १ गुत्रमकुल विगजन धन निनाऊन मतरु गानचा स्याजावन सग्नन भाय
कान विकनतय धविद स्याजावननव काय गानमान स्याथयक दान

२ यो न य विधि १

सयथाय कुझनकानरिन २ १ वसाया कुसखापानचयके धनसावभानरि
धनकाय सिधनमूक दशकन कनकाव धकाविनसग्ननविय भद्रनचय व
जनकाविय धनसाधि आगनन ममायवति ॥ धविवात्रयुजा दगुवविविय स्वान
गमक गुत्रयुजा दक्षिण कसाय सग्नन कनसासि ककन कुमानी रजाका
य दगुनी समय राजन ॥ **॥ वाधवयाविधि ॥** स्यामसास्य वसिधन
मानकाय दशकनकक विहावयाव पिखात्रयुग इइ हाय नीहावयावसूर्य
याव्यावभाय ॥ धविद युजारुति जाय गुत्रमकुल नैखवलिविय विगजनयाय
धनसावमन नगपा १ कयुज १ २ गयादगुयुजा नकुमययुजा स्वानवीय ॥

श्रुत्यविय उद्दं द्वास्तु वस्तुन यन् सखसतया द्वास्तु कनसहायका उति ॥ ३१ ॥
 सवाव मतविय गुन्युजा दक्षिणा कसार्थ विसर्जन आसिवादन ॥ ३२ ॥

नाग जगता ॥ ३३ ॥ नमनीमदितामका कसा ॥ नमन नयन
 ताना ॥ ३४ ॥ यदिव दन्यस्तितिम उल जनु गमनमदि
 ताना ॥ ३५ ॥ नमने उभतरसन गल व धूलिवरुनादवि
 माता ॥ ३६ ॥ या निमनचउदि चनविनासन ॥ ३७ ॥ मिमात्र

पनाया ॥ ३८ ॥ समनसति यलाचदिवरुनादवि नाचठिययना
 नारचकि कुदनकथिनाचकु श्वरितलीनमा हाकना ॥ ३९ ॥ व्याय
 चलमयति भरव न श्वरा गालि यलुडनन न सिलमाना लुद
 म्दरवत्याग क्षत्र कन क्षत्रयस्र के पाया तिन्यनुनायन
 रिषमद हा दूत दूवरयहनना ॥ ४० ॥ सिहना ददमलुवाडन

३४८५५५

[illegible]

या द्युमन्मन्मात्राः जलि अ ओ यः दिनदलः सासना
 फलितमहाविलाः दतकनाः लुनकिः लः ररु
 ति उधकसाः ररुग आ रननरुखीत दडाः रयसा
 ०५कनाः आमलकानः रति रवननधापितः द
 वासलननसापितः मत गलचलनः आनागमन

॥ ५ ॥ श्री लोका कर्तुं दिशानवृत्त ॥ आह ॥ स्वसमान पिय
 ज्ञानसाक्षात् ॥ आह ॥ पितृसत्ताक ॥ मृदुकातिद ॥ आह ॥ नाग
 पथ ॥ पथकली ॥ आह ॥ ॥
 नीचविनीद्वयवद ॥ यथापम ॥ ॥ कादती कुनवद ॥ यमान
 ॥ ॥ गालीसादनव ॥ पथ ॥ ॥ श्रीमानय ॥ गनागनाक ॥
 मानव

॥ ६ ॥ श्यातदय आह ॥ मथनायना श्री ॥ यकद ॥ ॥ आह
 खदि ॥ सहाय ॥ ॥ दहिन श्री ॥ आह ॥ ॥ यतिरु यमाना ॥
 ॥ ॥ आह ॥ ॥ पनस या सधन ॥ ॥ श्रीरु यति गन्त फका
 ॥ ॥ ॥ श्री आह ॥ ॥ लिहिसिदि ॥ आह ॥ ॥ सुखस यदा ता ॥ ॥